*उपभोक्ता राजा होता है! कुछ हालिया सर्वेक्षणों पर आधारित साक्ष्य**

यह लेख उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के विभिन्न संकेतकों के रुझानों का विश्लेषण करता है। इस समीक्षा से पता चलता है कि एक लंबी उदासीनता के बाद उपभोक्ता की भावनाओं में आखिर के कुछ चरणों में सुधार आता दिखायी पड़ रहा है जिसका प्रधान कारण यह है कि सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य और कीमतों के स्तर पर अब अपेक्षाकृत अधिक हाउसहोल्ड्स अपनी प्रतिक्रियाएं देने के लिए आगे आने लगे हैं। यह देखा गया है कि सामान्य आर्थिक स्थिति के संबंध में लोगों की आशाओं, उनके विचार तथा रोजगार की स्थिति के बीच अन्य संकेतकों यथा कीमतों के स्तर, हाउसहोल्ड्स की आय एवं उनका खर्च - की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक तालमेल देखने को मिला है। इसके अलावा, विभिन्न व्यवसाय समूहों में सामान्य आर्थिक स्थिति के बारे में मोटे तौर पर एकसमान राय है।

भूमिका

उपभोक्ता मनोभाव आर्थिक स्थितियों के बारे में हाउसहोल्ड्स की मौजूदा भावनाओं और भावी प्रत्याशाओं को बारीकी से पढ़ने वाला एक संकेतक है। उपभोक्ताओं की राय का आकलन करने वाले सर्वेक्षण सभी केंद्रीय बैंकों में काफी लोकप्रिय हैं। उनमें से प्रमुख हैं- अमेरिका के लिए, कॉन्फेरेंस बोर्ड और यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, तथा यूरोपीय संघ के लिए ज्वाइंट हार्मोनाइज़्ड प्रोग्राम। ऐसा पाया गया है कि उपभोक्ता विश्वास सूचकांक खर्च के प्रमुख संकेतक होते हैं (लेमन एण्ड पोर्टनाइगूनिया, 2006; डीज़ एंड ब्रिंका, 2013)। इसलिए इस बात में कोई आश्चर्य नहीं कि उपभोक्ता विश्वास को किसी भी अर्थव्यवस्था की स्थिति में होने वाले निर्णायक परिवर्तनों का प्रमुख संकेतक माना जाता है (ओईसीडी, 2019) ।

भारतीय रिज़र्व बैंक जून 2010 से उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण कराता रहा है *जिसमें* छह शहरों - बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई - में अर्थव्यवस्था के बारे में हाउसहोल्ड्स की भावनाओं का आकलन किया जाता है। इस सर्वेक्षण के सितंबर 2017 चरण से इसे विस्तार देते हुए इसमें साथ और शहरों - अहमदाबाद, भोपाल, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, पटना और तिरुवनंतपुरम – को शामिल किया गया है। सर्वेक्षण का संक्षिप्त ब्योरा अनुबंध ए पर दिया गया है।

यह लेख पिछले तीन वर्षों में सामान्य आर्थिक स्थिति (जीईएस) पर हाउसहोल्ड्स की धारणाओं और उनके दृष्टिकोण पर विचार करता है, जिसमें 13 चरणों में किए गए सर्वेक्षण को आधार बनाया गया है। जिन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है उनमें एक है कि सर्वेक्षण में शामिल विभिन्न व्यावसायिक समूहों वाले प्रतिक्रियादाता जीईएस के वर्तमान और भविष्य पर किस प्रकार अपनी राय बनाते हैं। संबद्धता विश्लेषण बताता है कि धारणा और प्रत्याशा दोनों का नियामक कारक रोजगार की स्थिति ही है। इसके अलावा, यह लेख उपभोक्ता विश्वास में बदलाव को भी दर्शाता है जो 2018 के मध्य में शुरू हुआ और मार्च 2019 में किए गए हालिया सर्वेक्षण, जो कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की वर्ष 2019-20 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति बैठक हेतु सूचना जुटाने के लिए किया गया था, में यह उच्च स्तर पर रिकॉर्ड किया गया।

लेख के बाकी हिस्से को चार खंडों में बांटा गया है। खण्ड 2 में प्रमुख उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में प्रयुक्त उपभोक्ता विश्वास सूचकांकों पर संक्षेप में चर्चा की गयी है। सर्वेक्षण के विभिन्न चरणों से निकले प्रमुख निष्कर्षों को खण्ड 3 में प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न व्यवसाय-समूहों का विश्लेषण और जीईएस के बारे में और उनकी धारणा और प्रत्याशाओं को खण्ड 4 में दर्शाया गया है। खण्ड 5 में कुछ नीतिगत दृष्टिकोणों पर चर्चा करते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं।

2. पारदेशीय अनुभव

उपभोक्ता विश्वास सूचकांक हाउसहोल्ड्स द्वारा प्रत्याशित वित्तीय हालात, सामान्य आर्थिक स्थितियों, बेरोजगारी और बचत क्षमता के बारे में उनके मनोभाव पर आधारित उनके उपभोग पैटर्न में भविष्य में होने वाले परिवर्तनों को दर्शाता है। इसके अनुसार, यदि सूचकांक 100 से ऊपर पहुंच जाता है तो इसका मतलब होता है कि आर्थिक स्थिति के भविष्य को लेकर उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा है। परिणामस्वरूप आने वाले 12 महीनों में उनमें

* यह लेख सांख्यिकीय और सूचना प्रबंध विभाग के हाउसहोल्ड सर्वे प्रभाग में कार्यरत नितिन कुमार, आदित्य मिश्रा और डी.पी. सिंह द्वारा तैयार किया गया है। इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं और वे भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों को व्यक्त नहीं करते।

सर्वेक्षण के मार्च 2019 राउंड के आकड़ों को 4 अप्रैल 2019 के सर्वे डाटा की टाइम शृंखला के साथ जारी किया गया है। इस विषय से संबंधित में पिछला वार्षिक आलेख भारतीय रिज़र्व बैंक के अक्टूबर 2017 के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था।

[1] सितंबर 2018 से समग्र 5,400 नमूना आकार को ध्यान में रखते हुए, 2011 की जनगणना के अनुसार प्रत्येक शहर के हाउसहोल्ड की संख्या के अनुपात में,शहर वार नमूना आकार को संशोधित किया गया है।

बचत की प्रवृत्ति अपेक्षाकृत कम हो जाती है और वे खर्च अधिक करते हैं। सूचकांक 100 से नीचे होने का आशय यह होता है कि उपभोक्ता आर्थिक स्थिति के भविष्य को लेकर निराश है जिसके कारण संभवत: उसमें ज्यादा बचत और कम उपभोग (ओईसीडी, 2019) की प्रवृत्ति आ जाती है। उपभोक्ता विश्वास को मापने के मानदण्डों के विहंगावलोकन से यह पता चलता है कि अधिकांश देशों में उपभोक्ता विश्वास सूचकांक के अंतर्गत प्रतिक्रिया देने वालों का दृष्टिकोण और हाउसहोल्ड्स की वित्तीय स्थिति से जुड़ी उनकी प्रत्याशा, सामान्य आर्थिक स्थिति के बारे में उनके विचार के साथ-साथ इस बारे में उनके विचार कि क्या घरेलू सामान जैसे- फर्नीचर, उपभोक्ता वस्तुएं और इसी प्रकार की अन्य चीजें खरीदने के लिए यह समय उपयुक्त है(सारणी 1)।

जब हम उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण में वैश्विक स्तर पर आए परिवर्तनों की बात करते हैं, तो यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन द्वारा यूएस के लिए कराए गए उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण में वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से खरीदारी के प्रति उपभोक्ताओं के उत्साह में धीरे-धीरे वृद्धि देखी गयी है। सर्वेक्षण परिणामों में राजनीतिक प्रभाव लगातार दिखाई पड़ता है, क्योंकि रिपब्लिकन और डेमोक्रेट समर्थकों के लिए सूचकांकों के बीच काफी अंतर है (कर्टिन, 2019)। ब्रेक्सिट पर अनिश्चितता के बादल के नीचे, यूनाइटेड किंगडम के लिए उपभोक्ता विश्वास गिर रहा है जो कि 2015 की शुरुआत के आसपास चरम पर था[3]। यूरो क्षेत्र के लिए भी उपभोक्ता विश्वास 2017 के आखिर में चरम पर पहुंचने के बाद नीचे आ रहा है, हालांकि 2011-13 के दौरान मौजूद स्तर से यह

सारणी 1: विभिन्न प्रमुख अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता विश्वास सूचकांक

	मापदंड	उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ		उभरती अर्थव्यवस्थाएँ			
		अमेरिका[1]	यूके#[2]	ब्राज़ील@[3]	इंडोनेशिया*[4]	भारत[5]	द.अफ्रिका$[6]
वर्तमान आकलन (वर्तमान की तुलना 1 वर्ष पूर्व की स्थिति से)	सामान्य आर्थिक स्थिति					✓	
	रोजगार स्थिति				✓	✓	
	कीमत स्तर					✓	
	हाउस होल्ड आय				✓	✓	
	हाउस होल्ड व्यय		✓			✓	
	हाउस होल्ड वित्तीय स्थिति	✓	✓				
	टिकाऊ वस्तुओं के क्रय के लिए व्यय	✓		✓	✓		✓
भावी अपेक्षाएँ (वर्तमान की तुलना 1 वर्ष बाद की स्थिति)	सामान्य आर्थिक स्थिति	✓	✓		✓	✓	✓
	रोजगार स्थिति			✓	✓	✓	
	कीमत स्तर			✓		✓	
	हाउस होल्ड आय			✓	✓	✓	
	हाउस होल्ड व्यय					✓	
	हाउस होल्ड वित्तीय स्थिति	✓	✓				✓
	अगले 5 वर्ष की सामान्य स्थिति	✓					

1. अमेरिका – उपभोक्ता सर्वेक्षण, मिशिगन विश्वविद्यालय।
2. यूके – कारोबार और ग्राहक सर्वेक्षण का संयुक्त एकरूपता इयू कार्यक्रम।
3. ब्राज़ील – बंको सेंट्रल डो ब्रासिल द्वारा उपयोग में लाई गई फेकोमर्सिओ एसपी का उपभोक्ता अपेक्षाओं का सूचकांक।
4. इन्डोनेशिया – उपभोक्ता सर्वेक्षण, बैंक इन्डोनेशिया (2016)।
5. भारत: उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण, भारिबैंक।
6. दक्षिण आफ्रिका- ब्यूरो ऑफ इकोनोमिक रिसर्च (बीईआर), 2018।

#: यूरोपियन कमीशन (2016) देशों के लिए उपभोक्ता विश्वास सूचकांक में प्रत्येकी 1 वर्ष पूर्व की अनुमानों की तुलना 1 वर्ष बाद की अपेक्षाएँ के साथ करने संबंधी के 2 प्रश्न संयुक्त रूप से मिलाकर एकल सूचकांक तैयार किया गया है।

@: ब्राज़ील का केंद्रीय बैंक का उपभोक्ता विश्वास सूचकांक, उपभोक्ता अपेक्षाओं सूचकांक का भारित औसत है जिसे फेकोमेर्किओ एसपी और कारोबार विश्वास सूचकांक द्वारा तैयार किया गया है। यहाँ केवल उपभोक्ता अपेक्षा सूचकांक के घटक दर्शाए गए हैं।[2]

*: इन्डोनेशिया बैंक के उपभोक्ता सर्वेक्षण सूचकांक, पिछले 6 माह के आकलन और आगामी 6 माह की अपेक्षाओं के आधार पर सूचित किए गए है।

$: बीईआर का उपभोक्ता विश्वास सूचकांक का एकल सूचकांक तैयार करने के लिए 3 प्रश्न संयुक्त किए गए है।

[2] ब्राज़ील का केंद्रीय बैंक, यूआरएल : https://www.bcb.gov.br/pec/indeco/Ingl/IE1-15i.Xlsx (4अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया)

[3] https://www.theguardian.com/business/2018/dec/20/consumer-confidence-hits-five-year-low-brexit-uncertainty-economy (4 अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया)

अभी भी ऊपर है, जब 2011 की गर्मियों में यह यूरो क्षेत्र के संप्रभु ऋण संकट के मद्देनजर तेजी से गिरा था[4]। कुल मिलाकर, सभी प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में उपभोक्ता विश्वास का स्तर 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान मौजूद स्तर से अधिक बना हुआ है।

हाल के दिनों की तुलना में, पिछले कुछ महीनों में सभी प्रमुख विकासशील देशों के उपभोक्ता अर्थव्यवस्था को लेकर काफी आशान्वित हैं[5]। ऐसा लगता है कि पिछले एक साल में अमेरिका द्वारा चलाए गए व्यापार-युद्धों चीन के उपभोक्ताओं का उत्साह गिराने में असफल रहे हैं, जहां अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं विश्वास अब तक के सर्वाधिक स्तर पर पहुंचने की ओर बढ़ रहा है जो कि इससे पहले 1993 में देखा गया था। वर्ष 2015 से 2017 के बीच तीन वर्षों के दौरान अधिकांश समय उपभोक्ताओं के उत्साह में प्राय: सुस्ती रहने के बाद ब्राजील में भी हाल के महीनों में उपभोक्ताओं का उत्साह बढ़ता हुआ दिखा है और वर्ष 2018 के दौरान लगातार छह महीनों में इसमें वृद्धि देखी गयी है। ब्राजील में उपभोक्ता विश्वास 2015 में अब तक के सबसे कम स्तर पर पहुंच चुका था जो कि वह वर्ष था जब ब्राजील की अर्थव्यवस्था में 3.8% की भारी गिरावट आयी थी और भ्रष्टाचार तथा प्रेसीडेंट डिल्मा रूसेफ के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन हो रहे थे[6]। वर्ष 2015 से 2017 के बीच घोर निराशा के वातावरण के बाद, 2018 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में उपभोक्ता विश्वास में सुधार आना शुरू हुआ और 2018 में पूरे वर्ष यह आशावादी माहौल बना रहा।

3. सर्वेक्षण परिणाम

भारतीय रिज़र्व बैंक के उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण में पाँच मानकों को शामिल किया जाता है। ये हैं- सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, कीमतों का स्तर, परिवारों की आय और उनका समग्र खर्च। इसके अलावा, इसके तहत वर्तमान धारणाओं के साथ-साथ आगामी एक वर्ष के लिए लोगों की अपेक्षाओं पर उनका मत भी लिया जाता है।

3.1 सामान्य आर्थिक स्थिति

वर्ष 2016-17 के दौरान अधिकांश समय मौजूदा आर्थिक स्थिति के बारे में आशावादी प्रतिक्रियाएं मिलीं। हालांकि, तदनंतर दिसंबर 2016 के बाद से मिली प्रतिक्रियाओं से कुल मिलाकर निराशा झलकनी शुरू हो गयी। यद्यपि, दिसंबर 2017 में जीईएस के प्रति सकारात्मक धारणा बनती दिखी परंतु दिसंबर 2018 तक उपभोक्ताओं का उत्साह ठंडा ही बना रहा। परंतु दिसंबर 2018 से उपभोक्ताओं का उत्साह निरंतर बढ़ता रहा और जून 2010 में प्रारंभ हुए इस सर्वेक्षण के अद्यतन चरण में, जो कि मार्च 2019 में किया गया, उपभोक्ता विश्वास सूचकांक आशावादी परिधि में आ गया।

सामान्य आर्थिक स्थिति पर एक साल आगे का दृष्टिकोण इस तीन साल की पूरी अवधि में सकारात्मक बना रहा, हालांकि यह दिसंबर 2016 के पहले के स्तर की तुलना में यह निम्न स्तर पर रहा। सीधे तौर पर देखें तो, भावी आर्थिक स्थिति पर प्रतिक्रियादाताओं का नज़रिया वैसा ही देखा गया जैसा वर्तमान आर्थिक स्थिति पर था, यदि दिसंबर 2016 में किए गए विमुद्रीकरण के आस-पास का समय छोड़ दें तो। वर्तमान धारणा के ही नक्शेकदम पर जीईएस संबंधी प्रत्याशाओं ने दिसंबर 2018 से आशावादी रुझान दर्शाया है और मार्च 2019 में ये इस प्रकार के सर्वेक्षणों के इतिहास में दूसरे सबसे उच्च स्तर (48.6) पर पहुंच गयीं (चार्ट 1; अनुबंध 'बी', सारणी 1)।

चार्ट 1: सामान्य आर्थिक स्थिति

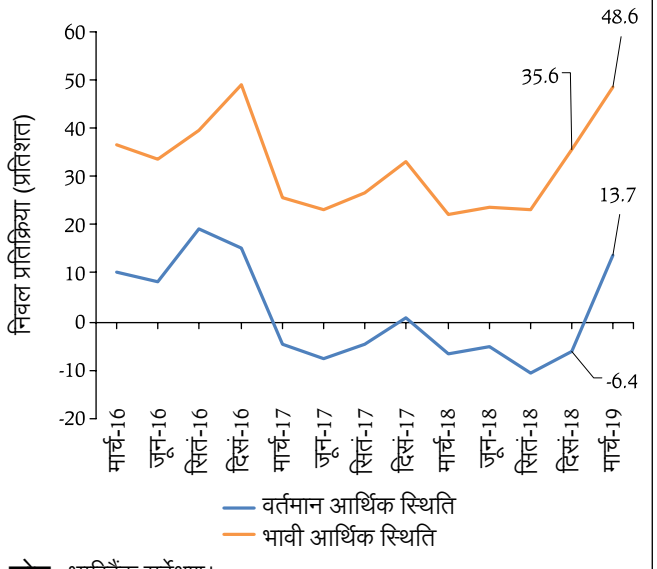

स्रोत : भारिबैंक सर्वेक्षण।

[4] बीसीबी मासिक बुलेटिन (जनवरी 2013)-"कोन्फिडेंस इंडिकेटर एंड एकोनोमिक डेवेलोप्मेंट्स"- URL:https://www.ecb.europa.eu/pub/pdf/mobu/mb201301en.pdf

[5] ओईसीडी डाटा उपभोक्ता विश्वास सूचकांक पर, URL:https://data.oecd.org/leadlind/consumer-cofidence-index-cci.htm and https://stats.oecd.org/index.aspx?queryid=306 (4अप्रैल 2019 को एक्सेस किया गया)

[6] https://www.bbc.com/news/business-35715317

[7] https://www.bloomberg.com/news/articles/2018-04-25/south-african-consumer-confidence-jumps-to-record-on-ramaphosa

3.2 रोजगार परिदृश्य

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य के बारे में हाउसहोल्ड्स में व्याप्त निराशा मोटे तौर पर वर्तमान रोजगार परिदृश्य को लेकर उनकी चिंता को ही दर्शाती थी जो कि दिसंबर 2016 में नकारात्मक था और यह नकारात्मकता दिसंबर 2018 तक बनी रही। सितंबर 2018 के बाद प्रतिक्रियाओं में बदलाव प्रतीत होने लगा तथा स्थिति क्रमिक रूप से सुधरते हुए सर्वेक्षणों के मार्च 2019 चरण तक धनात्मक क्षेत्र में पहुंच गयी।

भावी रोजगार परिदृश्य के बारे में दृष्टिकोण दिसंबर 2016 में सर्वाधिक सकारात्मक हो गया था, लेकिन इसके बाद इसमें गिरावट आयी क्योंकि हाउसहोल्ड्स एक साल आगे के रोजगार परिदृश्य को लेकर चिंतित थे। फिर भी, रोजगार के संबंध में उनका आशावादी नज़रिया दो साल तक दबे रहने के पश्चात् दिसंबर 2018 में फिर से ऊपर आ गया था और अभी भी बना हुआ था। संयोग से, सर्वेक्षण के 2014 के आम चुनाव से पहले वाले राउंड के परिणामों में भी जीईएस और रोजगार परिदृश्य के बारे में इसी प्रकार का आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला (चार्ट 2; अनुबंध बी सारणी 2)।

3.3 कीमतों की स्थिति

पिछले एक वर्ष के दौरान कीमतों के स्तरों के आकलन के संबंध में प्रतिक्रियादाताओं की राय से हाल के दिनों में मुद्रास्फीति में आयी नरमी प्रतिबिंबित होती है। वर्तमान धारणाओं से संबंधित प्रतिक्रियाओं का निवल; मान जून 2018 में पूरी तरह बदल गया और तब से उनका ग्राफ लगातार ऊपर ही चढ़ता रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि कीमतों के स्तर के बारे में सोच दिसंबर 2016 में विमुद्रीकरण के बाद सकारात्मक हो गई थीं, लेकिन यह क्षणिक साबित हुई क्योंकि जुलाई 2017 में वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) के लागू होने के बाद कीमतों के बारे में मौजूदा धारणा नाटकीय रूप से नकारात्मक होती गयी और दिसंबर 2017 में अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच परंतु इसके विपरीत, भविष्य में कीमतों की स्थिति के बारे में प्रत्याशाओं में समान गति से गिरावट नहीं देखने को मिली जो इस बात का संकेत हो सकता है कि जीएसटी जैसे सुधारों के कारण हाउसहोल्ड्स को भविष्य में स्थितियाँ बेहतर होने की आशा है (चार्ट 3; अनुबंध बी सारणी 3)।

मुद्रास्फीति की बात करें तो वर्तमान और भावी प्रत्याशाओं के संबंध में प्राप्त प्रतिक्रियाएं समग्र रूप से एक जैसी हैं और आश्चर्यजनक रूप से अधिकांश लोग मंहगाई बढ़ने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। इन दोनों कालखण्डों के बारे में प्राप्त प्रतिक्रियाएं निवल रूप से जून 2018 की स्थिति की तुलना में सुधार दर्शाती हैं (अनुलग्नक बी सारणी 4)।

3.4 हाउसहोल्ड आय

वर्तमान आय को लेकर हाउसहोल्ड्स की प्रतिक्रियाओं में दिसंबर 2016 से ही निराशा बनी हुई थी लेकिन जून 2018 से इसमें धीरे-धीरे आशा की किरण दिखने लगी है। पिछले एक वर्ष के दौरान हाउसहोल्ड आय ही एकमात्र पैमाना है जिस पर

चार्ट 2: रोजगार परिदृश्य

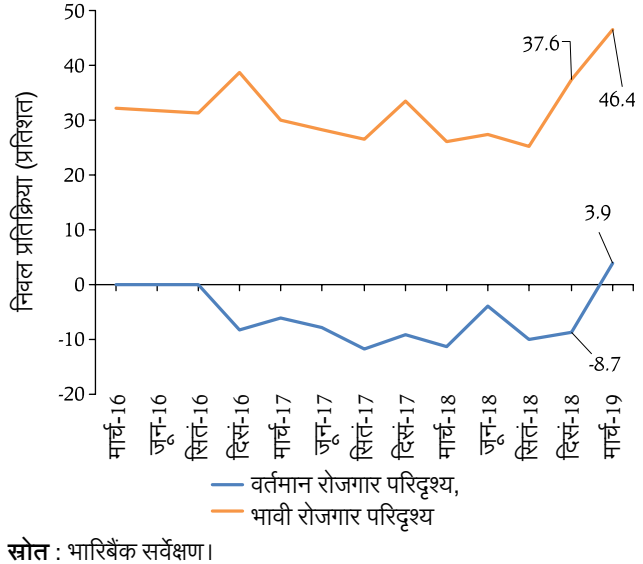

स्रोत : भारिबैंक सर्वेक्षण।

चार्ट 3: मूल्य स्तर

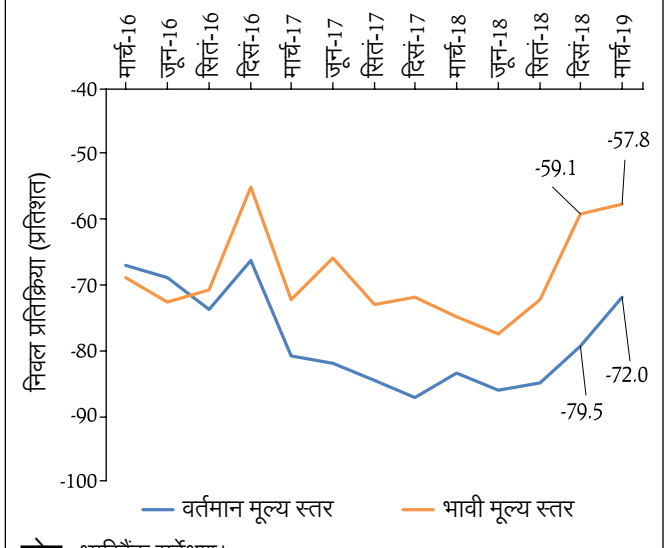

स्रोत : भारिबैंक सर्वेक्षण।

चार्ट 4: हाउसहोल्ड आय

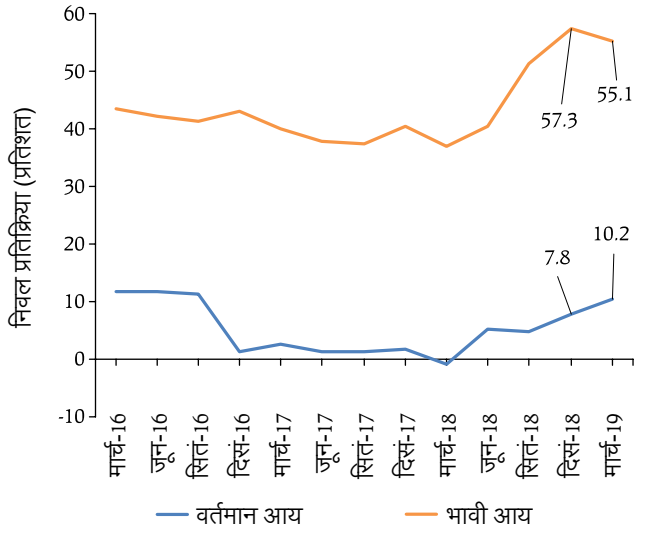

स्रोत : भारिबैंक सर्वेक्षण।

अधिकांश लोगों की प्रतिक्रिया अपरिवर्तित रही है। दूसरी ओर, प्रतिक्रियादाताओं में भविष्य में बेहतर आय की आशा बनी हुई है (चार्ट 4; अनुबंध बी, सारणी 5)।

3.5. व्यय

आय के बारे में प्रतिक्रियादाताओं की राय लंबे समय से निराशाजनक बनी रहने के बावजूद अधिकांश प्रतिक्रियादाताओं ने यह माना कि खर्च बढ़ा है और वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में हुई वृद्धि को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया (चार्ट 5; अनुबंध 'बी' सारणी 6)। हाल ही में कीमतों में आयी थोड़ी

चार्ट 5: समग्र व्यय

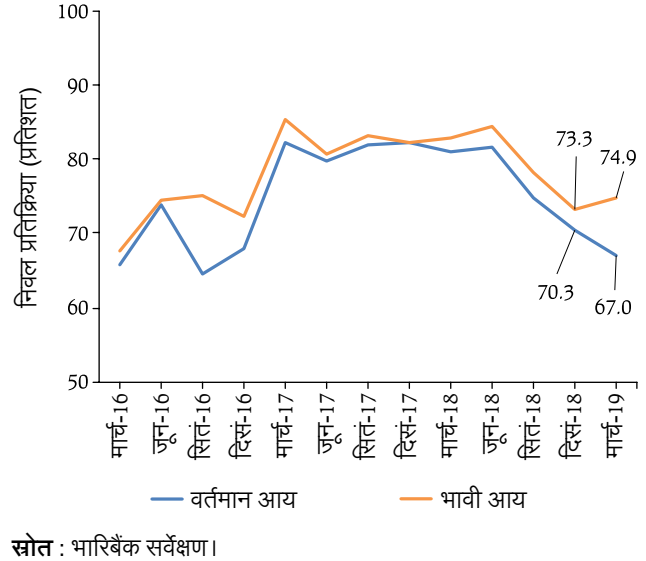

स्रोत : भारिबैंक सर्वेक्षण।

गिरावट के साथ ही, हाउसहोल्ड्स के समग्र खर्च पर प्राप्त निवल प्रतिक्रियाओं में सितंबर 2018 से गिरावट आने लगी है के साथ रही है, जिसे ऊपर उल्लिखित कीमतों में आयी कमी के साथ जोड़कर देखने पर इस बात के संकेत मिलते हैं कि कीमतें और मुद्रास्फीति उनके घरेलू खर्च के प्रमुख वाहक हैं। इसी प्रकार अधिकांश हाउसहोल्ड्स को आशा है कि उनका खर्च अगले एक साल की अवधि में बढ़ने वाला है, हालांकि इस संबंध में निवल प्रतिक्रियाएं मार्च 2017 से जून 2018 की अवधि की तुलना में 10 प्रतिशतता अंक कम हैं।

3.6 उपभोक्ता विश्वास सूचकांकों का उतार-चढ़ाव

वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) उपभोक्ताओं के जीईएस, रोजगार परिदृश्य, कीमतों की स्तर, हाउसहोल्ड्स की आय और खर्च पर आधारित एक वर्ष पूर्व के दृष्टिकोण की तुलना में वर्तमान दृष्टिकोण को सारांश रूप में प्रकट करता है। मोटे तौर पर, सीएसआई में सितंबर 2016 से गिरावट आनी शुरू हुई और यह मार्च 2017 में ऋणात्मक जोन में पहुंच गया और दिसंबर 2018 तक यह स्थिति बनी रही (चार्ट 6)। इसके विपरीत, प्रतिक्रियादाता भविष्य को लेकर आशावान दिखे जैसा कि उसी अवधि के दौरान भावी प्रत्याशा सूचकांक (एफईआई) से परिलक्षित होता है। विमुद्रीकरण के बाद, सीएसआई और एफईआई दोनों ही अपने पहले के स्तर से नीचे बने हुए थे, लेकिन सितंबर 2018 के बाद से उनमें उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मार्च 2019 के चरण में, सीएसआई दो साल के अंतराल के बाद आशावादी ज़ोन में दिखायी दिया, जबकि एफईआई इस दौरान अपने सर्वोच्च स्तर 133.4 पर पहुंच गया।

प्रतिस्थापन (SRSWR) सहित सरल यादृच्छिक नमूने के माध्यम से निकाले गए 10,000 ड्रॉ पर आधारित सीएसआई और एफईआई के 99 प्रतिशत बूटस्ट्रैप विश्वास अंतराल के परिणाम इन दोनों सूचकांकों में आयी मजबूती को दर्शाते हैं (अनुबंध बी, सारणी 9)।

चार्ट 6: उपभोक्ता विश्वास सूचकांक

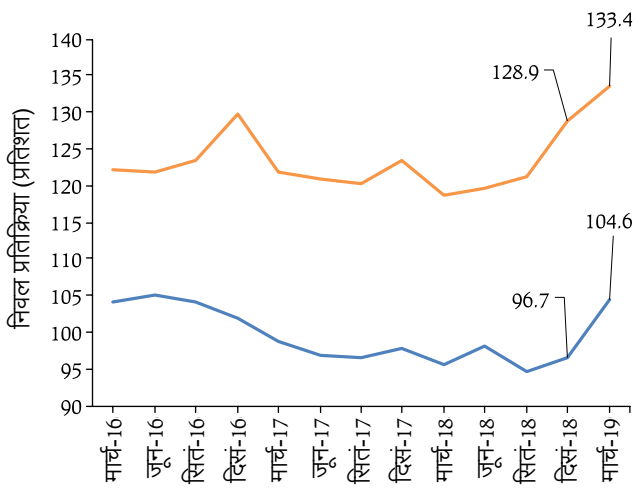

स्रोत : भारिबैंक सर्वेक्षण।

3.7 सामान्य आर्थिक स्थिति के साथ जुड़े कारक

जीईएस के संबंध में उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाओं में कई अंतर्निहित कारकों को शामिल किया जा सकता है। इस संदर्भ में, यह चिन्हित करने के लिए व्यावहारिक हो सकता है कि दोनों वर्तमान निर्धारण और भविष्य की अपेक्षाओं के लिए कौन से सर्वेक्षण पैरामीटर (एस) सबसे अधिक जीईएस संबंधी उपभोक्ताओं की भावनाओं को प्रभावित करते हैं। इस प्रयोजन हेतु, जीईएस के लिए अन्य सर्वेक्षण मापदंडों के साथ सुसंगतता गुणांक निकाला जाता है (परिशिष्ट बी सारणी 10)। रोजगार परिदृश्य से संबंधित मूल्यांकन सबसे प्रमुख कारक के रूप में उभरता हुआ प्रतीत होता है, जो जीईएस पर वर्तमान भावनाओं को निर्धारित करता है जिसके बाद मूल्य स्थिति और आय पर धारणाएं बनती हैं।

भविष्य की जीईएस के लिए प्रत्याशाओं की सुसंगतता से पता चलता है कि यह रोजगार परिदृश्य से संबंधित दृष्टिकोण है जो मुख्य वाहक है और उसके बाद हाउसहोल्ड्स के आय के संबंध में दृष्टिकोण आता है (परिशिष्ट बी सारणी 11)।

4. क्या व्यवसाय प्रतिक्रियादाताओं के व्यवहार को प्रभावित करता है?

पहले बताए गए प्राथमिक मापदंडों के अलावा सर्वेक्षण में प्रतिक्रियादाताओं के पेशे सहित जनसांख्यिकीय विशेषताएं भी शामिल हैं। यह जांचने के लिए कि क्या जीईएस के बारे में प्रतिक्रियादाताओं के विभिन्न वर्गों की प्रतिक्रियाएं स्वतंत्र हैं, पिछले वर्षों के यूनिट स्तर के सर्वेक्षण डेटा का उपयोग किया गया है और सर्वेक्षण के विभिन्न चरणों के लिए अलग से जीईएस की वर्तमान और भविष्य की प्रतिक्रियाओं के लिए सांख्यिकीय परीक्षण किए गए हैं। यह देखा गया है कि जीईएस के बारे में परिवारों के आकलन और अपेक्षाएं उनके व्यवसाय पर निर्भर हैं (सारणी 2)।

सारणी 2: पियर्सन ची-स्क्वेर सांख्यिकी : विशेषताओं की स्वतंत्रता के लिए परीक्षण

सर्वे राउंड	वर्तमान सामान्य आर्थिक स्थिति	भावी सामान्य आर्थिक स्थिति
मार्च -19	56.1	41.4
दिसंबर-18	61.8	35.7
सितंबर -18	50.9	47.4
जून -18	76.8	64.8
मार्च -18	39.7	22.4
दिसंबर-17	75.2	38.8
सितंबर -17	57.7	39.7
जून -17	118.8	58.1

टिप्पणी : सभी मूल्य 1 प्रतिशत के स्तर पर महत्वपूर्ण है।

क्रमबद्ध तार्किक सांख्यिकीय आकलन[9] का उपयोग प्रतिक्रियादाताओं की विभिन्न व्यवसाय श्रेणियों द्वारा दर्शायी गयी आशा/निराशा के स्तर का पता लगाने के लिए किया गया है। क्रमबद्ध तार्किक सांख्यिकीय आकलन तब उपयोगी होता है जब प्रतिक्रिया वेरिअबल को एक विशिष्ट क्रम में रखा जा सकता है जैसे - परीक्षा के ग्रेड, यथा 'खराब', 'ठीक', 'अच्छा', 'बहुत अच्छा'। इस प्रयोग का उद्देश्य इस बात का अध्ययन करना है कि अन्य कारक कितने बेहतर तरीके से इसका पता लगा सकता है। सांख्यिकीय आकलन के समीकरण का बुनियादी प्रयोजनमूलक रूप नीचे दिया गया है।

$$Y_j = \beta X_j + u_j \qquad (1)$$

यहां, Y_j द्योतक है j^{th} प्रतिक्रिया के होने की संभावना का, जो हमारे मामले में तीन हैं, अर्थात, आशावादी, तटस्थ या निराशावादी। X_js व्यवसाय के डमी हैं *जैसे,* नियोजित/वेतनभोगी; गृहिणी; सेवानिवृत्त व्यक्ति/पेंशनभोगी; स्व-नियोजित/

[8] सुसंगतता गुणांक को दो चर के लिए समान प्रतिक्रिया के योग के रूप में परिभाषित किया गया है जो सर्वेक्षण के एक विशिष्ट दौर में प्रतिक्रिया की कुल संख्या के प्रतिशत के रूप में है।

[9] एक विस्तृत विवरण अनुबंध सी में प्रदान किया गया है।

सारणी 3: क्रमबद्ध लॉजिस्टिक प्रतिगमन परिणाम: महत्वपूर्ण व्यवसाय

सर्वे राउंड	वर्तमान सामान्य आर्थिक स्थिति		भावी सामान्य आर्थिक स्थिति	
	आशावादी	निराशावादी	आशावादी	निराशावादी
मार्च-19	रोजगार/वेतनभोगी स्व-रोजगार /कारोबार बेरोजगार/छात्र	-	रोजगार/वेतनभोगी/बेरोजगार/छात्र	सेवानिवृत्त / पेंशनभोगी
दिसं-18	रोजगार /वेतनभोगी/ बेरोजगार/छात्र	सेवानिवृत्त / पेंशनभोगी	बेरोजगार/छात्र	सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी
सितं-18	रोजगार /वेतनभोगी / बेरोजगार/छात्र	-	रोजगार/वेतनभोगी/ बेरोजगार/छात्र	सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी
जून-18	स्व-रोजगार /कारोबार बेरोजगार / छात्र	सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी	रोजगार/वेतनभोगी/ बेरोजगार/छात्र	सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी
मार्च-18	बेरोजगार / छात्र	-	-	-
दिसं-17	बेरोजगार / छात्र	गृहिणी सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी स्व-रोजगार/कारोबार	बेरोजगार/छात्र	सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी
सितं-17	बेरोजगार / छात्र	सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी स्व-रोजगार/कारोबार	बेरोजगार/छात्र	सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी स्व-रोजगार/कारोबार
जून-17	बेरोजगार / छात्र	गृहिणी सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी	बेरोजगार/छात्र	-

टिप्पणी : व्यवसाय 10 प्रतिशत की स्तर पर महत्वपूर्ण है।
-: व्यवसाय का कोई समूह सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं पाया गया।

कारोबार; एवं बेरोजगार/विद्यार्थी। दैनिक मजदूर वाली व्यवसाय श्रेणी को संदर्भ श्रेणी के रूप में लिया गया है[10]। βs व्यवसाय डमी के गुणांक हैं।

नतीजे दर्शाते हैं कि वर्तमान जीईएस के मामले में सेवानिवृत्त व्यक्तियों/पेंशनभोगियों का आकलन सर्वेक्षण के अधिकांश दौर में पर्याप्त रूप से निराशावादी पाया गया, जिसके बाद क्रमशः गृहिणियों और स्व-नियोजित प्रतिक्रियादाताओं का स्थान है (सारणी 3)। इसके विपरीत, बेरोजगार प्रतिक्रियादाताओं/ विद्यार्थियों ने सांख्यिकीय तौर पर लगातार काफी आशा दर्शायी है।

भावी जीईएस को देखें तो सेवानिवृत्त व्यक्तियों/ पेंशनभोगियों ने लगातार निराशाजनक संभावना दर्शाई है। वर्तमान जीईएस के भावों की भांति बेरोजगार/विद्यार्थी भावी जीईएस को लेकर आशावादी भाव रखते हैं। हाल के सर्वेक्षण दौरों में नियोजित/ वेतनभोगी समुदायों में आशावादी संभावना भी दिखती है। मोटे तौर पर, नतीजों से विभिन्न जन समूहों में भिन्न-भिन्न आचरण स्वरूप का पता चलता है। एक तरफ विद्यार्थी हैं जो लगातार उज्ज्वल संभावनाओं की प्रत्याशा रखते हैं, जबकि दूसरी तरफ सेवानिवृत्त एवं बुजुर्ग लोग हैं जो लगातार ख़राब स्थितियों[11] की आशा रखते हैं।

5. निष्कर्ष

हाल के वर्षों में भारत में उपभोग की मांग आर्थिक विकास का प्रमुख चालक रही है। परिवारों की धारणा और प्रमुख पैरामीटर की एक रेंज जिससे उनके उपभोग के फैसले पर प्रभाव पड़ सकता है के बारे में सर्वेक्षण आधारित जानकारी - आय, रोजगार और मुद्रास्फीति - खपत की मांग, की वर्तमान स्थिति के बारे में केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय से ठोस आंकड़े उपलब्ध हो जाने के पहले प्रारंभिक संकेत मिलते हैं। इसलिए, नियमित सर्वेक्षणों के माध्यम से परिवारों की भावना का निरंतर मूल्यांकन नीति बनाने के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान करने में सहायता करता है। सर्वेक्षण के

[10] दैनिक श्रमिक समूह को संदर्भ व्यवसाय के रूप में अपनाया गया है क्योंकि यह विभिन्न दौरों में वर्तमान और भविष्य के जीएस के लिए लगभग तटस्थ राय दिखाता है।

[11] यह बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा हाल ही में आयोजित किए गए हाल के सर्वेक्षण में लगभग 15 देशों के समुदायों के लिए व्यक्तिगत जीवन और चुनौतियों के बारे में दृष्टिकोण पर आधारित है। इसमें पाया गया कि उम्रदराज लोगों की तुलना में युवा अधिक आशावादी होते हैं(इस संबंध में 3 अप्रैल 2019 के प्रेस विज्ञप्ति https://www.foundation-poll-finds-young-people-more-Optimistic-about-future-Than-Older-Generations से एक्सेस किया गया)

नवीनतम दौर के निष्कर्षों के अनुसार, निराशावाद के एक लंबे दौर के बाद वर्तमान स्थिति सूचकांक सकारात्मक क्षेत्र में आ गया है। परिवारों की अपेक्षाओं का उन्नत आशावाद के परिणामस्वरूप भावी अपेक्षा सूचकांक सर्वकालिक उच्चार पर पहुँच गया है। महत्वपूर्ण रूप से, आशावाद मोटे तौर पर सामान्य आर्थिक स्थिति (जीईएस), रोजगार परिदृश्य और मूल्य स्तर पर भावनाओं में सुधार दर्शाता है। विश्लेषणात्मक परिणाम बताते हैं कि व्यवसाय श्रेणियों में जीईएस के संबंध में राय वर्तमान और भविष्य की अवधि दोनों के लिए भिन्न है। सामान्य तौर पर, बेरोजगार / छात्र वर्तमान और एक वर्ष आगे की अवधि दोनों के लिए आशावादी भावनाओं को व्यक्त करते हैं। इसके विपरीत, सेवानिवृत्त / पेंशनभोगी मूल्यांकन और अपेक्षाओं, दोनों पर जीईएस पर निराशावाद व्यक्त करने वाला प्रमुख समूह हैं। कुल मिलाकर, पिछले तीन वर्षों में सर्वेक्षण के परिणामों से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति में भारी गिरावट के कारण आय की वास्तविक क्रय शक्ति में वृद्धि हुई है जिससे उपभोक्ता का विश्वास बढ़ा है। अपेक्षाओं के सर्वेक्षण प्रतिक्रिया के माध्यम से व्यक्त आशावादी भावना से यह पता चला है कि उत्तरदाता चाहता है कि निकट अवधि में कम मुद्रास्फीति जारी रहे। पिछले 2-3 महीनों में ग्रामीण कृषि संकट को ध्यान में रखते हुए की गयी नीति घोषणाओं और मौद्रिक नीति में बरती गयी उदारता से हाल ही में यह सुधार हुए हैं।

संदर्भ :-

Bank Indonesia (2016), Metadata, Consumer Expectation Survey, URL: *https://www.bi.go.id/en/statistik/metadata/survei/Documents/1-Metadata-Consumer-Survey-2016.pdf* (Accessed on 03 April 2019).

Bureau of Economic Research (2018), "Changes to the BER consumer survey", URL: *https://www.ber.ac.za/Knowledge/pkDownloadDocument.aspx?docid=9331* (Accessed on 03 April 2019).

Curtin, Richard (2019), "Persistent Political Influence on Expectations", URL: *https://data.sca.isr.umich.edu/fetchdoc.php?docid=62308* (Accessed on 04 April 2019)

Dees, S. and Brinca, P.S. (2013), "Consumer confidence as a predictor of consumption spending: Evidence for the United States and the Euro area", *International Economics, 134, pp.1-14.*

European Commission (2016), "A User guide to the joint harmonised EU programme of business and consumer surveys".

Lemmon, M. and Portniaguina, E. (2006), "Consumer confidence and asset prices: Some empirical evidence", *The Review of Financial Studies, 19(4), pp.1499-1529.*

OECD (2019), Consumer confidence index (CCI) (indicator). *doi: 10.1787/46434d78-en* (Accessed on 03 April 2019).

अनुबंध ए

1. प्रतिदर्श का कवरेज एवं सर्वेक्षण प्रश्नावली

सर्वेक्षण में एक वर्ष पूर्व की तुलना में वर्तमान परिस्थितियों और एक वर्ष बाद की संभावनाओं के संदर्भ में पाँच मानदंडों, नामत: सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार का परिदृश्य, मूल्य स्तर, हाउसहोल्ड की आय एवं व्यय के बारे में हाउसहोल्डों के उत्तरों का सार प्रस्तुत किया गया है। उत्तरों की मांग तीन तरह के पैमाने (सुधार हुआ/सुधार होगा, खराब हुआ/खराब होगा एवं बरकरार रहा/बरकरार रहेगा) के अंतर्गत की गई।

सितंबर 2017 से यह सर्वेक्षण तेरह शहरों, नामत: - अहमदाबाद, बेंगलुरू, भोपाल, चेन्नै, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, पटना और तिरुवनंतपुरम में किया गया। सर्वेक्षण के प्रत्येक दौर में हाइब्रिड टू स्टेज सैंपलिंग डिजाइन का प्रयोग करते हुए लगभग 5,400 उत्तरदाताओं को चुना गया। पहले चरण में किसी शहर में सभी निर्वाचन केंद्रों को उनके निर्वाचन क्षेत्र के अनुसार व्यवस्थित करने के बाद प्रणालीगत यादृच्छिक प्रतिदर्श चुनने के माध्यम से निर्वाचन केंद्रों का चयन किया जाता है। दूसरे चरण में प्रत्येक चयनित निर्वाचन केंद्र क्षेत्र से 15 उत्तरदाताओं का चयन किया जाता है, जिसमें राइट-हैंड नियम का पालन किया जाता है।

2. वर्तमान स्थिति सूचकांक और भविष्य का संभावना सूचकांक

मानक राय वाले सर्वेक्षण में, उत्तरदाताओं के पास सामान्यत: उत्तर देने के तीन विकल्प होते हैं, यथा – बढ़ा/समान रहा/घटा; या सामान्य से अधिक/सामान्य/सामान्य से कम; या वृद्धि हुई/समान रही/कमी हुई। तीनों प्रतिशतों की व्याख्या करने में कठिनाई के कारण सर्वेक्षण के परिणामों को एकल मात्रात्मक संख्या में बदल दिया जाता है। ऐसा करने के लिए आमतौर पर सर्वाधिक प्रयुक्त तरीका 'निवल-उत्तरों' (जिन्हें 'शेष' अथवा 'निवल शेष' भी कहा जाता है) का प्रयोग करना होता है। इसे वृद्धि की रिपोर्ट करने (धनात्मक) वालों के प्रतिशत से कमी की रिपोर्ट करने (ऋणात्मक) वालों के प्रतिशत को घटाते हुए परिभाषित किया जाता है। निवल उत्तरों का मूल्य -100 से +100 तक हो सकता है। इस सर्वेक्षण में, निवल उत्तरों का प्रयोग उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के परिणामों के विश्लेषण में किया जाता है। विभिन्न कारकों के संबंध में उपभोक्ता विश्वास की धारणाओं को संयुक्त करने के लिए दो सूचकांकों की गणना की जाती है। ये सूचकांक हैं – वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) जो एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति को दर्शाता है और भविष्य की संभावनाओं का सूचकांक (एफईआई), जो एक वर्ष बाद की संभावनाओं को दर्शाता है। सूचकांक की गणना के लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया गया है –

समग्र सूचकांक = 100 + औसत (चुनिंदा कारकों के निवल उत्तर)

जहां पर, निवल उत्तर = धनात्मक धारणाएं (%) – ऋणात्मक धारणा (%)

वर्तमान स्थिति सूचकांक की गणना के लिए विभिन्न कारकों, नामत: आर्थिक परिस्थितियों, रोजगार, मूल्य स्थिति, आय और व्यय के संबंध में वर्तमान धारणा पर औसत निवल उत्तरों का प्रयोग किया जाता है।

भविष्य संभावना सूचकांक की गणना के लिए विभिन्न कारकों, नामत: आर्थिक परिस्थितियों, रोजगार, मूल्य स्थिति, आय और व्यय के संबंध में वर्तमान धारणा पर औसत निवल उत्तरों का प्रयोग किया जाता है।

सीएसआई और एफईआई की सीमा 0 से 200 के बीच होती है। सूचकांक का मान 100 से कम होना निराशावाद को दर्शाता है, जबकि 100 से अधिक मान होना आशावाद का संकेत होता है।

अनुबंध बी: आंकड़ें और परिणाम

सारणी 1: सामान्य आर्थिक स्थिति के संबंध में धारणाएँ और प्रत्याशाएँ

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

सर्वे दौर	वर्तमान धारणाएँ				1 वर्ष आगे की प्रत्याशाएँ			
	बढ़ी	समान रही	घटी	निवल प्रतिक्रिया	बढ़ेगी	समान रहेगी	और घटेगी	निवल प्रतिक्रिया
मार्च-16	39.9	30.3	29.8	**10.1**	54.6	27.2	18.2	**36.4**
जून-16	40.2	27.9	31.9	**8.2**	54.2	25.5	20.4	**33.8**
सितं-16	44.6	30.1	25.3	**19.4**	57.7	24.3	18.0	**39.6**
दिसं-16	45.7	24.1	30.3	**15.4**	66.3	16.6	17.1	**49.2**
मार्च-17	35.6	24.4	40.0	**-4.5**	52.1	21.4	26.5	**25.6**
जून-17	32.4	27.7	39.9	**-7.5**	48.6	25.9	25.5	**23.1**
सितं-17	35.8	23.8	40.4	**-4.6**	52.6	21.5	25.9	**26.6**
दिसं-17	38.5	24.0	37.5	**1.0**	55.6	21.8	22.6	**33.0**
मार्च-18	34.9	23.4	41.7	**-6.8**	49.7	22.8	27.5	**22.2**
जून-18	36.4	21.9	41.8	**-5.4**	50.4	23.0	26.6	**23.8**
सितं-18	33.7	22.1	44.3	**-10.6**	53.2	16.7	30.2	**23.0**
दिसं-18	36.7	20.2	43.1	**-6.4**	59.9	15.8	24.3	**35.6**
मार्च-19	46.2	21.3	32.5	**13.7**	66.4	15.8	17.8	**48.6**

सारणी 2: रोजगार संबंधी धारणा और संभावना

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

सर्वे दौर	वर्तमान धारणाएँ				1 वर्ष आगे की प्रत्याशाएँ			
	बढ़ी	समान रही	घटी	निवल प्रतिक्रिया	बढ़ेगी	समान रहेगी	और घटेगी	निवल प्रतिक्रिया
मार्च-16	34.3	31.1	34.6	**-0.3**	50.4	31.4	18.1	**32.3**
जून-16	35.6	28.7	35.7	**-0.2**	51.1	29.6	19.3	**31.8**
सितं-16	31.7	36.4	31.9	**-0.2**	50.5	30.5	19.0	**31.5**
दिसं-16	31.0	29.8	39.2	**-8.3**	57.3	24.1	18.6	**38.7**
मार्च-17	32.6	28.4	39.0	**-6.4**	52.8	24.5	22.7	**30.1**
जून-17	30.8	30.3	38.9	**-8.1**	49.6	29.3	21.2	**28.4**
सितं-17	31.1	25.9	43.0	**-12.0**	51.9	22.8	25.3	**26.6**
दिसं-17	31.6	27.4	41.0	**-9.4**	54.4	24.7	20.9	**33.6**
मार्च-18	31.2	26.0	42.8	**-11.6**	50.8	24.3	24.9	**26.0**
जून-18	34.7	26.4	38.9	**-4.1**	50.9	25.8	23.4	**27.5**
सितं-18	35.2	19.3	45.5	**-10.3**	54.1	17.0	29.0	**25.1**
दिसं-18	35.6	20.1	44.3	**-8.7**	60.3	17.1	22.7	**37.6**
मार्च-19	41.1	21.7	37.2	**3.9**	65.3	15.9	18.9	**46.4**

सारणी 3: कीमत-स्तर के संबंध में धारणाएँ और प्रत्याशाएँ

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

सर्वे दौर	वर्तमान धारणाएँ				1 वर्ष आगे की प्रत्याशाएँ			
	बढ़ी	समान रही	घटी	निवल प्रतिक्रिया	बढ़ेगी	समान रहेगी	और घटेगी	निवल प्रतिक्रिया
मार्च-16	77.3	12.4	10.4	**-66.9**	78.6	11.7	9.7	**-68.8**
जून-16	78.1	12.5	9.4	**-68.7**	80.5	11.5	8.0	**-72.6**
सितं-16	78.2	17.2	4.6	**-73.6**	77.8	15.3	6.9	**-70.9**
दिसं-16	73.9	18.3	7.7	**-66.2**	69.5	16.0	14.5	**-55.0**
मार्च-17	85.8	9.1	5.1	**-80.7**	81.0	10.4	8.6	**-72.4**
जून-17	85.2	11.4	3.4	**-81.8**	76.1	13.8	10.1	**-66.0**
सितं-17	87.9	8.6	3.5	**-84.4**	80.2	12.4	7.4	**-72.9**
दिसं-17	90.2	6.9	2.9	**-87.3**	79.8	12.4	7.8	**-72.0**
मार्च-18	87.1	9.2	3.7	**-83.5**	81.9	11.0	7.1	**-74.8**
जून-18	89.1	7.9	3.0	**-86.0**	82.8	11.8	5.4	**-77.4**
सितं-18	88.3	8.5	3.2	**-85.1**	80.1	12.0	7.9	**-72.2**
दिसं-18	84.3	10.9	4.8	**-79.5**	71.6	15.9	12.5	**-59.1**
मार्च-19	77.8	16.4	5.8	**-72.0**	68.7	20.5	10.9	**-57.8**

सारणी 4: कीमत स्तर में परिवर्तन की दर (मुद्रास्फीति)* के संबंध में धारणाएँ और प्रत्याशाएँ

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

सर्वे दौर	वर्तमान धारणाएँ				1 वर्ष आगे की प्रत्याशाएँ			
	बढ़ी	समान रही	घटी	निवल प्रतिक्रिया	बढ़ेगी	समान रहेगी	और घटेगी	निवल प्रतिक्रिया
मार्च-16	82.7	13.9	3.4	**-79.3**	82.4	13.2	4.4	**-78.0**
जून-16	85.3	12.4	2.3	**-83.0**	83.3	13.0	3.7	**-79.6**
सितं-16	61.8	22.4	15.8	**-45.9**	64.3	22.4	13.3	**-51.0**
दिसं-16	57.8	18.0	24.2	**-33.5**	62.4	17.1	20.6	**-41.8**
मार्च-17	80.5	12.5	7.0	**-73.5**	79.9	13.8	6.3	**-73.6**
जून-17	79.9	11.5	8.5	**-71.4**	78.7	13.5	7.9	**-70.8**
सितं-17	81.2	10.8	8.0	**-73.2**	79.1	14.2	6.7	**-72.5**
दिसं-17	80.9	12.7	6.4	**-74.5**	77.9	16.2	5.9	**-72.0**
मार्च-18	81.0	12.4	6.6	**-74.4**	81.5	12.5	6.1	**-75.4**
जून-18	81.8	10.5	7.7	**-74.2**	79.4	13.7	6.9	**-72.5**
सितं-18	80.8	13.2	6.1	**-74.7**	79.8	14.2	6.1	**-73.7**
दिसं-18	77.9	15.2	6.9	**-71.0**	76.3	17.3	6.4	**-69.9**
मार्च-19	72.5	20.0	7.6	**-64.9**	72.9	20.8	6.3	**-66.6**

* जिन प्रतिक्रियाओं में ऐसा प्रतीत होता है कि मूल्य में बढ़ोत्तरी होनी चाहिए/ मूल्य में बढ़ोत्तरी होगी केवल उन्हीं के लिए लागू है।

सारणी 5: हाउसहोल्ड आय के संबंध में धारणाएँ और प्रत्याशाएँ

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

सर्वे दौर	वर्तमान धारणाएँ				1 वर्ष आगे की प्रत्याशाएँ			
	बढ़ी	समान रही	घटी	निवल प्रतिक्रिया	बढ़ेगी	समान रहेगी	और घटेगी	निवल प्रतिक्रिया
मार्च-16	31.3	48.9	19.8	**11.6**	52.1	39.3	8.6	**43.5**
जून-16	29.9	51.8	18.4	**11.5**	51.2	39.9	8.9	**42.3**
सितं-16	31.2	48.6	20.2	**11.1**	52.3	36.4	11.3	**41.1**
दिसं-16	27.1	47.1	25.8	**1.3**	54.8	33.5	11.7	**43.1**
मार्च-17	27.7	47.3	25.0	**2.7**	51.8	36.5	11.7	**40.1**
जून-17	23.8	53.8	22.4	**1.4**	47.1	43.5	9.4	**37.7**
सितं-17	27.4	46.3	26.3	**1.1**	49.7	38.0	12.3	**37.4**
दिसं-17	26.1	49.4	24.5	**1.6**	51.1	38.3	10.6	**40.5**
मार्च-18	24.5	50.1	25.4	**-0.9**	48.6	39.6	11.9	**36.8**
जून-18	27.1	50.8	22.1	**5.0**	51.3	38.0	10.7	**40.5**
सितं-18	28.3	48.3	23.4	**4.9**	59.1	33.1	7.8	**51.3**
दिसं-18	29.8	48.2	22.0	**7.8**	63.5	30.4	6.2	**57.3**
मार्च-19	30.1	50.0	19.9	**10.2**	60.8	33.4	5.7	**55.1**

सारणी 6: हाउसहोल्ड की समग्र उधारियों के संबंध में धारणाएँ और प्रत्याशाएँ

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

सर्वे दौर	वर्तमान धारणाएँ				1 वर्ष आगे की प्रत्याशाएँ			
	बढ़ी	समान रही	घटी	निवल प्रतिक्रिया	बढ़ेगी	समान रहेगी	और घटेगी	निवल प्रतिक्रिया
मार्च-16	78.0	9.9	12.1	**65.9**	78.5	10.6	11.0	**67.5**
जून-16	82.7	8.4	8.8	**73.9**	82.2	10.2	7.6	**74.6**
सितं-16	70.3	24.1	5.7	**64.6**	79.1	17.0	3.9	**75.2**
दिसं-16	73.5	20.8	5.6	**67.9**	78.3	15.8	5.9	**72.4**
मार्च-17	84.4	13.4	2.1	**82.3**	88.5	8.3	3.1	**85.4**
जून-17	81.3	17.2	1.5	**79.8**	83.5	13.7	2.8	**80.7**
सितं-17	83.6	14.8	1.7	**81.9**	85.4	12.4	2.2	**83.2**
दिसं-17	84.2	14.0	1.8	**82.4**	85.2	12.0	2.8	**82.4**
मार्च-18	83.1	14.9	2.1	**81.0**	85.2	12.3	2.5	**82.8**
जून-18	83.8	14.1	2.0	**81.8**	86.5	11.3	2.2	**84.4**
सितं-18	78.4	18.2	3.5	**74.9**	81.2	15.7	3.1	**78.1**
दिसं-18	73.8	22.7	3.5	**70.3**	77.3	18.7	4.0	**73.3**
मार्च-19	70.1	26.8	3.1	**67.0**	77.5	19.9	2.6	**74.9**

सारणी 7: आवश्यक मदों के संबंध में व्यय करने की धारणाएँ और प्रत्याशाएँ

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

सर्वे दौर	वर्तमान धारणाएँ				1 वर्ष आगे की प्रत्याशाएँ			
	बढ़ी	समान रही	घटी	निवल प्रतिक्रिया	बढ़ेगी	समान रहेगी	और घटेगी	निवल प्रतिक्रिया
मार्च-16	79.6	9.3	11.1	**68.5**	78.6	11.9	9.6	**69.0**
जून-16	83.0	8.2	8.8	**74.3**	81.1	10.6	8.3	**72.8**
सितं-16	79.1	16.9	4.0	**75.1**	82.5	12.7	4.8	**77.6**
दिसं-16	76.9	18.4	4.7	**72.2**	77.5	14.9	7.7	**69.8**
मार्च-17	85.8	11.1	3.1	**82.7**	87.0	9.2	3.8	**83.2**
जून-17	82.2	15.3	2.5	**79.7**	81.9	13.5	4.6	**77.2**
सितं-17	85.4	12.3	2.4	**83.0**	85.8	10.8	3.4	**82.4**
दिसं-17	85.7	12.4	1.9	**83.8**	85.4	10.5	4.0	**81.4**
मार्च-18	83.8	13.7	2.5	**81.3**	85.2	11.6	3.2	**82.0**
जून-18	86.6	11.1	2.3	**84.3**	87.5	10.0	2.5	**85.0**
सितं-18	83.6	13.1	3.4	**80.2**	84.2	13.1	2.7	**81.5**
दिसं-18	82.4	14.5	3.1	**79.3**	83.5	13.0	3.4	**80.1**
मार्च- 19	78.6	18.2	3.2	**75.4**	83.4	14.3	2.3	**81.1**

सारणी 8: गैर -आवश्यक मदों के संबंध में व्यय करने की धारणाएँ और प्रत्याशाएँ

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

सर्वे दौर	वर्तमान धारणाएँ				1 वर्ष आगे की प्रत्याशाएँ			
	बढ़ी	समान रही	घटी	निवल प्रतिक्रिया	बढ़ेगी	समान रहेगी	और घटेगी	निवल प्रतिक्रिया
मार्च-16	37.7	31.7	30.6	**7.1**	44.7	33.2	22.1	**22.6**
जून-16	43.9	32.3	23.8	**20.1**	51.2	30.3	18.5	**32.7**
सितं-16	50.2	37.6	12.2	**38.0**	60.6	29.5	9.9	**50.7**
दिसं-16	37.3	44.7	18.1	**19.2**	49.6	35.8	14.7	**34.9**
मार्च-17	48.9	36.4	14.7	**34.2**	57.8	30.3	11.8	**46.0**
जून-17	51.6	35.5	13.0	**38.6**	56.3	32.6	11.1	**45.2**
सितं-17	55.6	33.2	11.2	**44.4**	61.6	29.4	9.0	**52.6**
दिसं-17	53.1	34.6	12.3	**40.8**	59.4	31.4	9.2	**50.1**
मार्च-18	56.0	31.4	12.6	**43.4**	62.8	28.0	9.2	**53.7**
जून-18	55.4	32.9	11.7	**43.8**	62.7	28.0	9.3	**53.4**
सितं-18	44.0	34.3	21.7	**22.3**	49.2	33.3	17.5	**31.7**
दिसं-18	38.4	37.5	24.1	**14.3**	46.1	33.0	20.9	**25.2**
मार्च-19	36.3	43.3	20.4	**15.9**	46.1	37.6	16.3	**29.8**

सारणी 9: 10.000 रिसैम्प्ल्स पर आधारित 99 प्रतिशत बूट्स्ट्रेप गोपनीय अंतराल (बीसीआई)

	सीएसआई			एफईआई		
सर्वे दौर	**सीएसआई**	**99 प्रतिशत बीसीआई**	**अंतराल चौड़ाई**	**एफईआई**	**99 प्रतिशत बीसीआई**	**अंतराल चौड़ाई**
मार्च-16	104.1	(103.1, 105.0)	1.9	122.2	(121.3, 123.1)	1.8
जून-16	105.0	(104.0, 105.9)	1.9	122.0	(121.0, 122.9)	1.9
सितं-16	104.2	(100.6, 103.5)	2.9	123.3	(128.3, 130.1)	1.8
दिसं-16	102.0	(100.6, 103.5)	2.9	129.7	(128.3, 129.9)	1.6
मार्च-17	98.7	(97.3, 100.1)	2.8	121.7	(120.3, 121.7)	1.4
जून-17	96.8	(95.5, 98.1)	2.6	120.8	(119.4, 121.2)	1.8
सितं-17	95.5	(94.2, 96.8)	2.6	118.8	(117.7, 120.4)	2.7
दिसं-17	96.9	(95.6, 98.3)	2.7	122.6	(121.2, 124.1)	2.9
मार्च-18	95.1	(93.8, 96.4)	2.6	117.4	(116.0, 118.8)	2.8
जून-18	96.9	(95.6, 98.3)	2.8	117.8	(116.5, 119.3)	2.8
सितं-18	94.8	(93.4, 96.1)	2.8	121.1	(119.5, 122.5)	3.0
दिसं-18	96.7	(95.3, 98.1)	2.8	128.9	(127.5, 130.4)	2.9
मार्च-19	104.6	(103.1, 106.0)	2.9	133.4	(132.0, 134.8)	2.8

सारणी 10: अन्य सूचकांक बनाम सामान्य आर्थिक स्थिति पर कोहेरेंस का आकलन

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

दौर	रोजगार	मूल्य	व्यय	आय
सितं-2016	47.9	31.1	44.2	44.7
दिसं-2016	48.2	33.7	41.9	44.4
मार्च-2017	53.2	42.5	35.2	43.4
जून-2017	54.6	43.7	34.0	42.8
सितं-2017	56.6	42.0	35.4	43.5
दिसं-2017	40.7	39.2	36.8	44.2
मार्च-2018	55.1	44.7	34.7	43.0
जून-2018	56.5	44.0	35.2	43.0
सितं-2018	59.1	45.4	33.2	41.2

सारणी 11: अन्य सूचकांक बनाम सामान्य आर्थिक स्थिति पर कोहेरेंस की अपेक्षाएँ

(प्रतिशत प्रतिक्रियाएँ)

दौर	रोजगार	मूल्य	व्यय	आय
सितं-2016	55.4	23.0	53.9	54.6
दिसं-2016	59.6	27.6	57.5	57.6
मार्च-2017	62.6	33.6	49.3	49.8
जून-2017	64.8	36.9	47.7	51.5
सितं-2017	67.0	33.4	47.9	52.6
दिसं-2017	66.0	29.8	51.0	53.0
मार्च-2018	64.8	34.3	47.7	50.8
जून-2018	64.6	32.6	48.3	52.4
सितं-2018	68.9	36.3	48.4	49.4

अनुबंध सी – कार्यप्रणाली

1. कारणों की स्वतंत्रता की माप – पीयर्सन का ची-स्क्वायर्ड परीक्षण (χ^2) एक सांख्यिकीय परीक्षण है जिसका प्रयोग इत्तिफाक से उत्पन्न होने वाले समुच्चयों के बीच पाए जाने वाले अंतर की संभावना के मूल्यांकन के लिए श्रेणीबद्ध आंकड़ों के समुच्चयों पर किया जाता है। परीक्षण में आंकड़ों की गणना इस प्रकार की जाती है :

$$\chi^2 = \sum_{i=1}^{n} \frac{(O_i - E_i)^2}{E_i}$$

जहां पर, χ^2 पीयर्सन का संचयी परीक्षण अंक है, जो χ^2 वितरण के अनंतस्पर्शी ढंग (असींप्टोटिकली) से करीब होता है। O_i, प्रकार i के लिए प्रेक्षणों की संख्या है। E_i, प्रकार i के लिए संभावित संख्या है। n, सारणी में सेल की संख्या है।

2. क्रमित (ऑर्डर्ड) लॉगइट मॉडल – यह मॉडलों की श्रेणी है जिसका प्रयोग किसी क्रमसूचक निर्भर चर और स्वतंत्र चरों के समुच्चय के बीच संबंधों का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। क्रमसूचक चर श्रेणीबद्ध चर होते हैं जो क्रमित होते हैं। ऑर्डर्ड लॉगइट में, अंतर्निहित स्कोर का अनुमान स्वतंत्र चरों के रैखिक फलन और कट प्वाइंटों के समुच्चय के रूप में किया जाता है। परिणाम *i* के प्रेक्षण की प्रायिकता, रैखिक फलन की अनुमानित प्रायिकता, और यादृच्छिक त्रुटि के योग, के अनुरूप होती है जो परिणामों से संबंधित अनुमानित कट प्वाइंटों के दायरे के बीच होती है :

$$Pr(y_j = i) = Pr(k_{i-1} < \beta_1 x_{1j} + \beta_2 x_{2j} + \ldots + \beta_k x_{kj} + u_j \leq k_i)$$

y_j परिणाम को दर्शाता है। $\beta_1, \beta_2, \ldots, \beta_k$ बहिर्जात चरों के अनुरूप अज्ञात गुणांक हैं। u_j यादृच्छिक त्रुटि को दर्शाता है, जिसके बारे में यह माना जाता है कि यह सुप्रचालनिक ढंग (लॉजिस्टिकली) से संवितरित है। k_{i-1}, k_i कट प्वाइंट हैं।